प्लान-वलान तो चलती रहती है - बताएं प्लाट कहा लेना है

पवन कुमार बंसल

चीफ मिनिस्टर रहते भजन लाल ने पत्रकारों, नेताओं, जजों और जिसने माँगा सभी को कोटे के रिहायशी प्लाट दिए। जिन्होंने नहीं माँगा उन्हें बुला - बुला कर दिए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के चपड़ासी से लेकर हरियाणा सचिवालय में लिफ्ट चलाने वाले को भी दिए। कई ने तो दो - दो भी लिए।

लेकिन एक ऐसे शख्स जिसने भजन लाल द्वारा प्लाट देने की ऑफर को मना कर दिया।

एम पी बंसल जो आईएएस बन कर कमिश्नर पद से रिटायर हो चुके हैं, उन दिनों हिसार में रोडवेज के जनरल मैनेजर थे।

हिसार के सेक्टर 15 में भजन लाल का आलीशान आशियाना है। वही सामने ही बंसल का मकान निर्माणाधीन था। एक दिन भजन लाल ने उन्हें बुला कर कहा के भाई मकान बना रहे हो बताया भी नहीं। फिर कहा की प्लाट ले लो। बंसल ने कहा कि एक अदद मकान की जरूरत होती है वो बन रहा है।

अब भजन लाल तो काफी दरियादिल थे। भाई ले लो। मेरे से तो कई अफसर दो-दो भी ले गए है। इस बारे भजन लाल के कई किस्से मशहूर है।

आल इंडिया रेडियो के रिपोर्टर भजन लाल का इंटरव्यू कर रहे थे। उन्होंने वर्षिक प्लान बारे पूछा। अब भजन लाल को प्लान-वलान की लम्बी चौड़ी जानकारी तो थी नहीं। वे तो व्यापारी थे। लेकिन चतुर नेता थे। एक तीर से दो शिकार करते हुए जवाब दिया 'प्लान - वलान तो चलती रहती है। मेरा डायरेक्टर पब्लिक रिलेशन्स नोट दे देगा। आप बताओं प्लाट कहा लेना है'।

एक बार चंडीगढ़ स्थित सचिवालय से लिफ्ट से नीचे आ रहे थे। लिफ्ट चलाने वाले से पूछा कि कहां रहते हो ? उसने जवाब दिया निसिंग में। फिर भजन लाल ने कहा भाई करनाल में कोई मकान बनाया या नहीं। बच्चे बड़े होकर शहर में पढेंगे तो कहा रहेंगे ?

फिर अपने ओ एस डी शिव रमन गौड़ से कहकर उसकी न केवल एप्लीकेशन लिखवाई बल्कि शुरू में भरने वाली दस फीसदी की राशि भी दी।

क्या अमित शाह की मधुबन रैली खट्टर को नई प्राणवायु दे पायेगी ?

करनाल (म.मो.) जनविरोधी नीतियों से जनाक्रोश झेलती और आईसीयू में दाखिल मनोहर सरकार को कोविड की बूस्टर डोज़ देने आ रहे हैं डॉक्टर अमित शाह।

क्या मरीज चंगा होगा - लाख रुपए का सवाल ?

खट्टर सरकार के खिलाफ प्रॉपर्टी आई डी में याशी कंपनी की धांधली, हर दफ़्तर व तहसील में फैले करप्शन, पंचायतों के काम के लिए इ -टेंडरिंग करने और ओल्ड पेंशन स्कीम पर कड़ा रुख आदि मुद्दों को लेकर जनता में फैले रोष को लेकर मनोहर लाल की सरकार इन दिनों इंटेंसिव केयर यूनिट में दाखिल है।

उसके इलाज के लिए डॉक्टर अमित शाह 14 फरवरी को करनाल जिले के मधुबन में आ रहे हैं, जहां वे अपने चंगुओं-मंगुओं को बतायेंगे कि खट्टर सरकार को इंटेंसिव केयर से बाहर कैसे निकालना है। शाह की यह डोज़ दुधारी तलवार होगी। इससे मर्ज तुरंत ठीक भी हो सकता है और मर्ज इतना भी बढ़ सकता है कि लाइलाज हो जाये।

सत्ता 'डॉक्टर' अमित शाह

सत्ता रोगी मनोहर लाल

डॉक्टर शाह को मरीज के इलाज के लिए कुछ दिन पहले गोहाना आना था। मरीज यानी मनोहर लाल बेताबी से उनके इंतजार में पलक-पावड़े बिछाये बैठे थे लेकिन बारिश के चलते डॉक्टर शाह को खुद जुखाम हो गया और वो गोहाना नहीं आये। अब बारिश खत्म हो गयी है और डॉक्टर शाह का जुखाम भी। मौसम अच्छा है। फिर मधुबन में पुलिस की गर्मी भी होगी।

सुना है डॉक्टर शाह अपने खास मरीज मनोहर लाल को बूस्टर डोज़ तो देंगे ही साथ -साथ कुछ परहेज करने को भी कहेंगे। क्योंकि यदि मरीज परहेज न करे तो फिर डॉक्टर भी क्या करेगा? डॉक्टर शाह नहीं चाहेंगे कि उनकी दवा देने के बावजूद मरीज ठीक न हो और बदनामी उनकी हो। मरीज यानी मनोहर लाल, डॉक्टर शाह के रडार पर रहेगा कि वो परहेज कर रहा है या नहीं। मरीज के शीघ्र ठीक होने की कामना करते हैं । बाकि राम जाने।

बालाजी कॉलेज में 15वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन

बल्लबगढ़ (म.मो.) स्थानीय बालाजी कॉलेज में 15 वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के निदेशक जगदीश चौधरी ने उद्घाटन सत्र में कहा कि "21वीं सदी में मानवीय एकाकी और निजता के कारण उसके जीवन में कुंठा, मानसिक असंतुलन और व्यवहार का चिड़चिड़ापन पूरे विश्व में बहुत तेजी से बढ़ा है। समाज की गतिविधियों, खेलो और सामूहिक सहभाग की कमी के कारण शारीरिक और मानसिक रूप से मनुष्य कमजोर हुआ है। खेल ने केवल मनुष्य को शारीरिक रूप से नही अपितु वैचारिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं। जीवन के निर्णय लेने में, सुखी जीवन जीने में, कठिनाइयों में हार ना मानने में और श्रम का सम्मान करने में खेल आधार का काम करते हैं । हम खेलें, जी भर के खेलें परंतु मर्यादा और सम्मान के साथ।"

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि भारतीय जल शिक्षण एवं शोध संस्थान के निदेशक संजय गुप्ता ने आपसी सद्भाव, सहयोग एवं मिलकर सीखने को खेल के उद्देश्य के रूप में स्पष्ट किया और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए उनको शुभकामनाएं दी।

खेलकूद प्रतियोगिता सम्मान समारोह सत्र में मुख्य अतिथि जेसी बोस विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के डीन प्रोफेसर अरविंद गुप्ता ने सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। प्रोफेसर गुप्ता ने कहा की आज के समय में हम अपने संस्कारों, परंपराओं से कटते जा रहे हैं। गलतफहमियों को सफलता मान रहे हैं । परंतु जीवन की थोड़ी सी कठिनाई में भी मनुष्य का हौसला हार जाना उसके खोखले पन का प्रतीक है । इसलिए मानसिक मजबूती शारीरिक गतिशीलता और कौशल ज्ञान मनुष्य की संपूर्णता की ओर मार्ग प्रशस्त करता है । आज के खेल आपको अनेक दिशाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु तैयार करेंगे ।

बालाजी कॉलेज की पाठ्य सहगामी क्रियाओं की समन्वयक प्रोफेसर दिनेश कुमारी ने बताया कि आज पुरुष वर्ग में 8 और महिला वर्ग में 8 प्रतियोगिताओं सहित कुल 16 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें कुछ व्यक्तिगत और कुछ समूह प्रतियोगिताएं थी। रस्साकशी आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें तीसरे चक्र में फैसला हो सका। इस खेलकूद प्रतियोगिता में सहदेव को पुरुष वर्ग में तथा कविता को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। इस अवसर पर बालाजी कॉलेज के प्राध्यापक चेतन प्रकाश, निधि ,सुषमा, ममता, उषा डागर, मंजू, रविंद्र सिंह, संतोष, संदीप सहित सैकड़ों विद्यार्थी शामिल हुए।